प्रेस विज्ञप्ति

विगत रात्रि 2:30 बजे साढ़े तीन वर्षीय आराध्या जैसवाल पुत्री श्री गोपाल, गोरखपुर को चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रॉमा सेण्टर के ENT विभाग में रेफर किया गया था तथा यह बताया गया था कि मरीज की नाक में कोई वस्तु फंस गई है।

ENT विभाग में उक्त मरीज को परीक्षण के उपरांत बाल रोग विभाग की आपातकालीन सेवा में भेज दिया गया। सुबह 5:00 बजे बाल रोग विभाग पहुंचने पर यह ज्ञात हुआ कि मरीज को डिप्थीरिया (गलाधोंटू) नामक बीमारी है। ज्ञातब्य है कि उक्त बीमारी को टीकाकरण के माध्यम से रोका जा सकता है। उक्त मरीज के विषय में रोग की गम्भीरता तथा निदान के विषय में उसके साथ उपस्थित मरीज के पिता को अवगत करा दिया गया। मरीज के पिता ने यह भी बताया कि उक्त बच्चे को 8 दिनों से बुखार एवं गर्दन में सूजन थी। जांच में मरीज के नांक मे किसी प्रकार की कोई वस्तु के फंसे होने सम्बंधी कोई भी संकेत नही मिले। मरीज कुछ आवश्यक उपचार के उपरांत बेहतर लग रहा था तथा स्वंय श्वास लेने मे समर्थ था एवं मरीज के रक्त में आक्सीजन की मात्रा भी सामान्य थी। उक्त मरीज का रक्त परीक्षण तथा अन्य जांचे भेज दी गई। प्रातः 6 बजे एकाएक उक्त मरीज कार्डियक अरेस्ट में चला गया ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने तत्कालिक चिकित्सकीय उपचार प्रारम्भ कर दी परंतु प्रात 6:30 बजे उक्त मरीज की मृत्यु हो गई। मरीज के पिता ने चिकित्सकों को यह भी बताया की वह बच्ची का टीकाकरण कराने मे वह चूक कर गये थे। अगर उपरोक्त मरीज का सही समय पर टीकारण हो जाता तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। इस बीमारी का टीकाकरण के अलावा कोई और उपचार नही है।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल
चिकित्सा संकाय, केजीएमयू

(प्रो0 विभा सिंह)
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल
दंत संकाय, केजीएमयू